



महाबलीशाका और वारुहकी चोरी

एक जहाजी बेड़ा विद्वंसक अस्त्र-शस्त्रों और वारुह से लदा, अमरीका के तट से खाना हुआ। उस बेड़े का कमाण्डर था, गोगिल।

कमाण्डर गोगिल यह सारी युद्ध सामग्री एक छोटे देश की मदद के लिये ले जा रहा था। लेकिन कमाण्डर गोगिल की नीयत बहल गई थी। उसने अपना जहाजी बेड़ा एक अनजान टापू पर रोका और वहां युद्ध सामग्री सजा दी। फिर उस टापू से अपने ट्रांसमीटर पर पूरी दुनिया के लिये एक चेतावनी प्रसारित की...

"मैं कमाण्डर गोगिल हूँ। यहां बैठे-बैठे मैं सारी दुनिया को तबाह कर सकता हूँ। अगले अड़तालीस घण्टों में सब पृथ्वी-वासी मिलकर मेरे लिये 10 टन सोना एकत्रित करके पहुंचा देंगे तो मैं सदा के लिये इस टापू को छोड़ कर चला जाऊंगा। अन्यथा मैं पूरी पृथ्वी को तबाह कर दूंगा। और इस सब के जिम्मेदार होंगे, आप सब-पृथ्वी वासी!"

इस समाचार से पृथ्वी पर हाहाकार मच गया और जल्दी ही कमाण्डर गोगिल की मांग स्वीकार कर ली गई।

यह सूचना इन्टरपोल के चीफ ने महाबलीशाका को भी दी, क्योंकि गोगिल का टापू उसी के प्रदेश में था...।

शाका की हज़ारों औरों थीं।



आइसह-

धड़क

हे भगवान!

यह मूर्ख है, जो अब भी नहीं समका कि यह असफल हो चुका है ...



तुम जहां कहोगे, वहीं ले जाऊंगा।

पायलट अब तुम बताओ कि हेली-काप्टर कहां ले जाओगे ?

शाका के आदेश पर पायलट हेलीकाप्टर को उड़ी तट पर ले आया जहां से उसने उड़ान भरी थी।

कुछ ही देर बाद... सेना के हेलीकाप्टर तट पर पड़े बारूद पर अधिकार करने आ पहुंचे...!



देवता पुत्र आ गया।

वह जादू से पाया प्लेट देता है।

महावली की जय हो।



महावली शाका हमें आश्चर्य है कि तुमने न केवल सोना बचा लिया, बल्कि अपराधी को भी गिरफ्तार कर लिया!

सच तो यह है कि मैंने कुछ किया ही नहीं।

बाद में...



कमांडर गोगिल, मैं कर्नल बारीन हू मुझे बुरा है कि अब आप शेष जीवन जेल की भोटी सलारों के बीच गुज़ारोगे, तुम पर गद्दारी और दो सौ सैनिकों की हत्या का आरोप है।

मैंने अपने साथ के प्रत्येक सैनिक को पांच किलो सोना देने का वचन दिया था, और वह कैप्टन जो स्टीमर में यहां सोना लेकर आया था उसे एक टन सोना देने का वचन दिया था। उसने यहां आते ही मुझे बता दिया था कि यह जंगली स्टीमर में है। उसके बावजूद मैं चोट खा गया।

अपराधी को चोट खाकर ही एहसास होता है कि उसने अपराध किया है। फिर तुमने तो बारूद की चोरी में शामिल अपने पूरे गिरोह को नष्ट कर दिया। वह भी मनुष्य थे। तुम्हारे लिये सज़ायें भोत भी बहुत कम सज़ा है।

बारीन अगर यह जंगली बीच में न आया होता, तो मेरी हेसियत कुछ और होती।

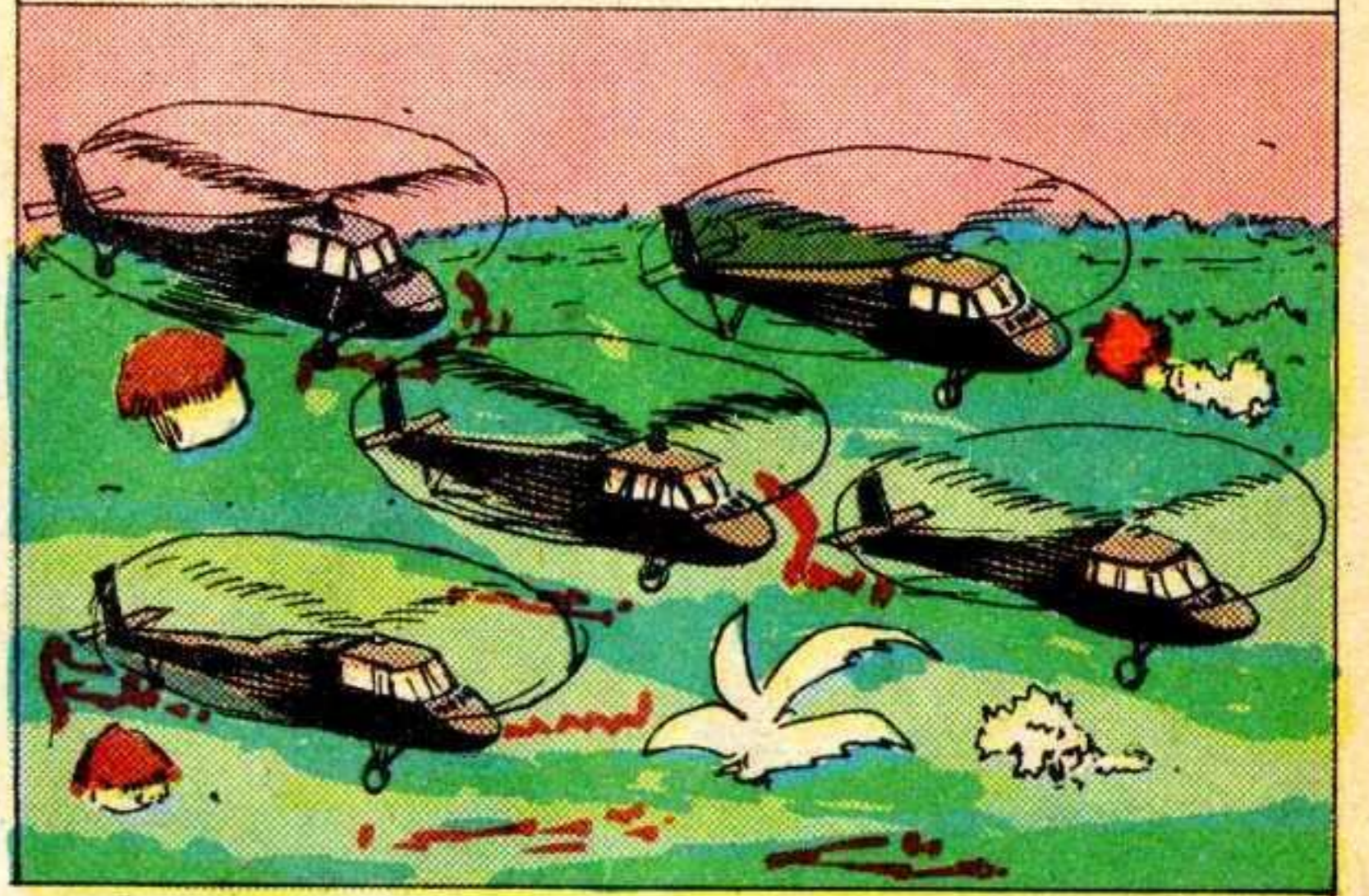
उधर....



तुम अपने हेलीकाप्टर इस हेलीकाप्टर के आसपास रखोगे।

राइट सर!

और हस टन सीना लेकर बारूद के चोरों का दल उड़ चला। चार हेलीकाप्टरों ने कमाण्डर के हेलीकाप्टर को घेरे में ले लिया था।



कमाण्डर गोबिल ने अब चैन की सांस ली. और अपने चारों ओर उड़ते हेलीकाप्टरों को देखा जिनमें उसके अपने ही साथी थे। फिट पायलट से पूछा...



पायलट, तुमने चारों हेलीकाप्टरों में टाइम बम फिट कर दिये हैं न?

जी हाँ! बस आधा मिनट बाद विस्फोट हो जायेगा।

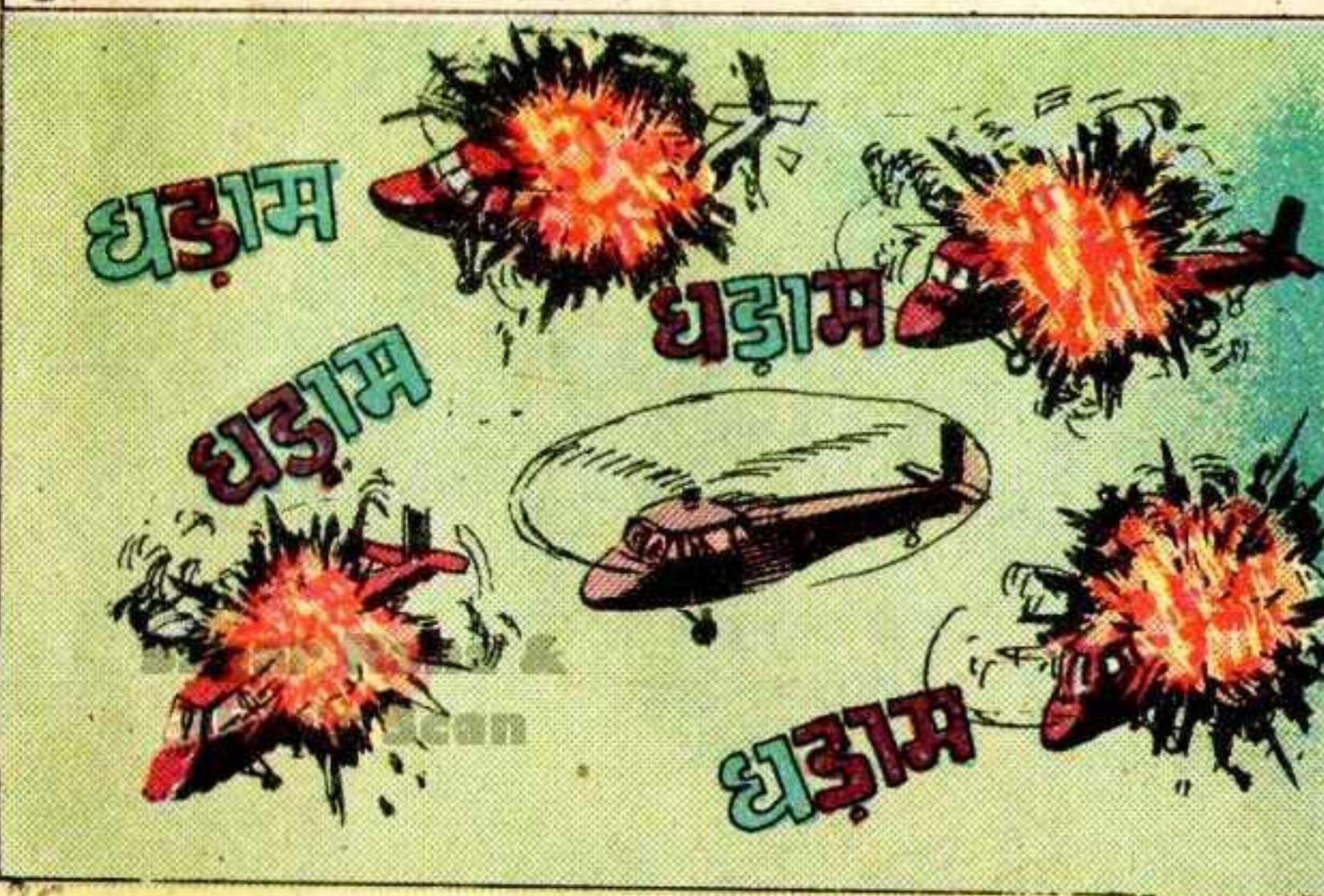


बहुत शर्म की बात है, गोबिल...! तुम अपने साथियों के साथ भी वफादार नहीं हो।

?!! तुम... तुम... यहाँ!!!

ए!! त...तुम!

तभी.. आसपास उड़ते हेलीकाप्टरों में बुरे टाइम बम फट पड़े.. और कमाण्डर गोबिल के वफादार सैनिक दूसरी दुनिया में पहुंच गये।



कमाण्डर ने सोचा, शाका का ध्यान नष्ट होते हेलीकाप्टरों की ओर है। इसलिये उसने फुर्ती से रिवाल्वर निकाल लिया... लेकिन...



अपने कन्ट्रोल
रूम में बैठे
शाका ने चीफ
की सूचना सुनी

महाबली शाका जिसे तुम शन्ति टापू कहते हो,
वहां दुनिया को तबाह करने पर आक्रांता बारूद के
घोरों का अधिकार है. उनकी शर्तें हैं कि उन्हें दस
टन सोना दे दिया जाये। तो वह बीस टन
सोने की कीमत का बारूद लौटा देंगे. अन्यथा
उसी बारूद से वह दुनिया के एक बड़े
हिस्से को तबाह कर देंगे।



?!?



आप लोगों ने
क्या निर्णय लिया
है?

उनकी शर्त स्वीकार
कर ली गई है। उनसे हमने
अड़तालीस घण्टों का समय
लिया है।



मुझे यह सूचना
क्यों दी जा रही
है?

ठीक है, मैं
उनपर नजर
रखूंगा

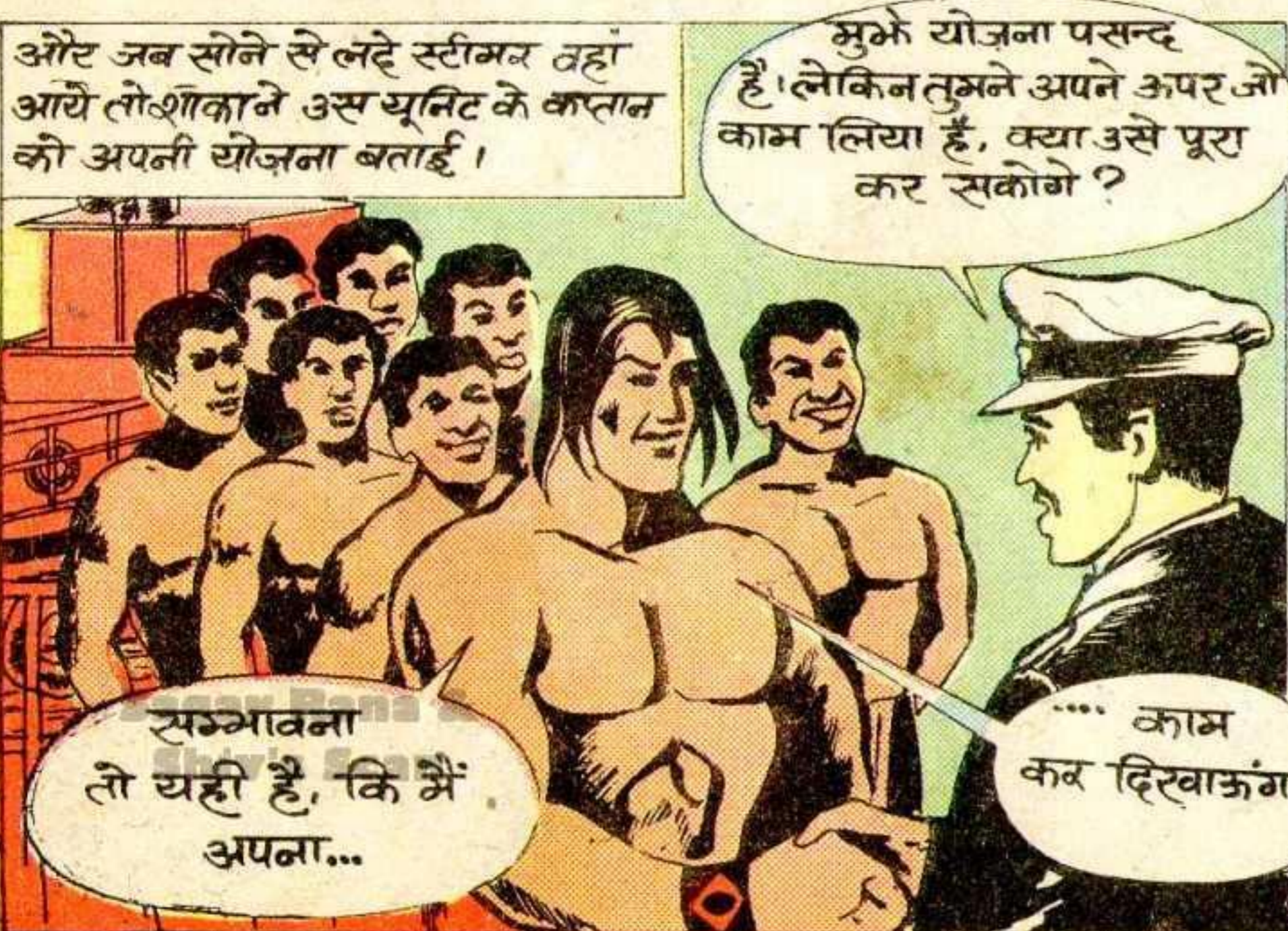
क्योंकि दस टन सोने से लदे
दो स्टीमर तुम्हारे प्रदेश के मध्य
से गुजरेगे. पुलिस विभाग
चाहता है कि तुम अपने क्षेत्र में
उन स्टीमरों की जिम्मेदारी
ले लो।



शाका सागर तट पर आदिवासियों
की एक टोली के साथ पहुंचा...
उसने एक योजना बता ली थी।

देवता पुत्र, क्या
तुम हमें अपने साथ
ले चलोगे?

हां जडाको. तुम सब
सैनिक बनकर स्टीमरों में
चलोगे, तुम्हारे धनुष और
जहरीले तीर तुम्हारे साथ
होंगे।



और जब सोने से लदे स्टीमर वहां
आये तो शाका ने उस यूनिट के कप्तान
को अपनी योजना बताई।

मुझे योजना पसन्द
है। लेकिन तुमने अपने अपर जो
काम लिया है, क्या उसे पूरा
कर सकोगे?

सम्भावना
तो यही है, कि मैं
अपना...

... काम
कर दिखाऊंगा।



स्टीमर वहां आधे घण्टे तक रुके रहे। उसके बाद
वे शन्ति टापू की ओर बरवाना हो गये। अब
उनके साथ शाका भी था और आदिवासी
भी थे। जो सैनिकों के वेश में थे।

हम टापू की
तोपों की रेंज
में आ गये
हैं।

दूर तक मार करने वाली गनों की क्रांभ में स्टीमर टापू पर पहुंचे। कमाण्डर गोगिल ने स्टीमर यूनिट के कप्तान का स्वागत किया।



पूरा दस टन सोना मेरी निगरानी में रखा गया है। लेकिन स्टीमर में सोने के साथ कुछ पंही भी हैं।

पंही?...ओह समझा..! ठीक है, मेरा पिंजरा भी मजबूत है।



चलो जवानों सोना उतारो, कमाण्डर सोना लेकर अपने दल के साथ यह टापू छोड़ने के लिये तैयार हैं।

कैप्टन का आदेश सुन, योजनानुसार शाका और उसके आदिवासी साथी स्टीमर से पेटियां उतारने लगे...



स्टीमर यूनिट के कैप्टन के चेहरे की प्रसन्नता बता रही है कि मैं और मेरे साथी धोखा खा गये हैं।

इन्हीं पेटियों में मेरा हिस्सा भी है।

ये पेटियां उधर पहाड़ी के पीछे हेलीकाप्टर तक पहुंचानी हैं।

सचमुच हम फंस गये हैं। और हम तब तक जीवित रहेंगे, जब तक सारी पेटियां हेलीकाप्टर में नहीं चढ़ जातीं। मेरे आदिवासी साथी इस धोखे से अनभिज्ञ हैं। उन्हें हालात समझाने होंगे, ताकि वह खतरे के प्रति स्तर्क हो जायें।



अचानक शाका के पैर लड़खड़ाये, और वह आदिवासियों की भाषा में चीखा...



चौक...! होरी लम-बाक!

शाका के पीछे आते सैनिक वैश्यायी आदिवासी शाका का संकेत समझ गये।



हम मुसीबत में हैं!

देवता पुत्र ने हमें सावधान कर दिया है।

हमें भी वैसा ही करना चाहिये, जैसा नाग पुत्र महाबली शाकाने किया है।



ग्रीबिल! मुझे शामिल किये बिना तुम्हारी योजना कामयाब नहीं हो सकती थी, इसलिये मैं एक टन सोने का हकदार हूँ। वायदा पूरा करो।



पीछे-पीछे आते आदिवासी ने जानबूझ कर ठीकर खायीं।



सोने की सुरक्षा के लिए खड़े सैनिकों का लालच जमीन पर बिखरे सोने को देख कर उभर आया।



बाद में... उन्हें पता चला कि पंकी जाल में से निकल गये हैं।

लालची कुत्ते, शाका अपने साथियों सहित भाग गया, अपनी जेबों में भरा सोना इसपेटी में डाल दे, और उसकी खोज में लग जाओ।



बाद में.. सोना हेलीकाप्टर में चढ़ा दिया गया।

